।।डोंरी खैच क राखिजे।।

डोंरी खैच क राखिजे, यो है बाबा को निशान।
पैदल चालणिये क साग, चाल बाबो श्याम।।
श्याम को निशान, बड़भागी उठाव, किस्मत वालो खाटू जाव,
सार रास्ता म करतो रजै एको गुणगान, पैदल चालणिया ....
श्याम तेरा साग-साग मत घबराव, धीर-धीर चाल बाबो पार लगाव,
तन ज्यादा के समझाऊं अकी महीमा न पहचान, पैदल चालणिया ....
श्याम धणी तेरो रखवारो, तेरी झोली भरन वालो,
लम्बी खाइजे तू धोक, तेरा होसी बेड़ा पार, पैदल चालणिया ....
रींगस खाटू साथ-साथ, थोड़ा चल तू उछल-उछल क,
बैगो चाल रे बनवारी, आगयो-आगयो खाटू धाम, पैदल चालणिया ....

Downloaded from khatunareshshyambaba.in
Website design & developed by syllogisticinoftech.com